केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450] 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 280 मंगलवार 5 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

गंगोत्री से गंगासागर तक खिला कमल

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर कहा– बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी। घुसपैठ करने वालों पर एक्शन लिया जाएगा। महिलाओं को सुरक्षा का महौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में सरकार बनने पर उन्होंने कहा– गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। सालों की साधना जब सिद्धि में बदलती है तो जो खुशी होती है वो खुशी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं। कहा यह दिन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। सालों की मेहनत आज सफलता में बदली है और इस जीत का पूरा श्रेय पार्टी के कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को जाता है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और अब पश्चिम बंगाल में भाजपाध्एनडीए की सरकार है। यानी गंगोत्री से

गंगासागर तक कमल खिला है। बंगाल के भाग्य में नया अध्याय जुड़ा है, राज्य अब भयमुक्त और विकास की ओर बढ़ेगा। यह जीत वंदे मातरम् के 150वें वर्ष में और भी महत्वपूर्ण है। बंगाल में महिलाओं को सुरक्षा का महौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा, पहली कैबिनेट में ही आयुष्मान योजना को हरी झंडी दिखाएंगे। और घुसपैठियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्मा को कितनी शांति मिली होगी। उन्होंने 1951 में जनसंघ की स्थापना करके हर कार्यकर्ता को संदेश दिया कि देश के लिए जीना और देश के लिए मरना है। डॉ. मुखर्जी ने बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने के लिए बड़ी लड़ाई लड़ी। यह जीत भारत के लोकतंत्र, संविधान और जनता के विश्वास की जीत है। भाजपा का मंत्र 'नागरिक देवो भव' है और पार्टी जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन को माला पहनाई। कार्यकर्ताओं ने उन्हें मां कामाख्या की तस्वीर भेंट की।

ऐतिहासिक जीत से भाजपा में खुशी की लहर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में सोमवार को भाजपा कार्यालय पर पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के उपलक्ष्य में भव्य 'विजय उत्सव' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर तथा आतिशबाजी कर जीत की खुशी साझा की। उत्साह से ओतप्रोत कार्यकर्ताओं ने लाल बहादुर शास्त्री चौक तक पदयात्रा निकालते हुए गगनचुंबी नारे लगाए और गुलाल उड़ाकर विजय का उत्सव मनाया। स्थानीय नागरिकों ने भी अपने घरों से निकलकर इस जश्न में सहभागिता की।

कार्यकर्ताओं ने असम प्रभारी हरीश द्विवेदी के समर्थन में जोरदार जयघोष

किया। असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में प्रचंड जीत तथा केरल और तमिलनाडु में भाजपा के उल्लेखनीय प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि बंगाल का चुनाव उत्तर प्रदेश के लिए 'सेमीफाइनल' माना जा रहा था और इस विजय ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा की मजबूत स्थिति को स्पष्ट कर दिया है।इस अवसर पर गिल्लम चौधरी, अंकुर वर्मा, परमेश्वर शुक्ल, अमृत कुमार वर्मा, तारक जायसवाल, गजेन्द्र त्रिपाठी, राजकुमार शुक्ल, सतीश सोनकर, अजय पाण्डेय, ब्रह्मदेव यादव, शिवानी सिंह, शालिनी मिश्र, मीना पाण्डेय, अभिषेक कुमार, विद्या मणि सिंह, सुरेंद्र चौधरी, गजेंद्र सिंह गहमरी, विनय यादव, अजय पाल राजन, संध्या दीक्षित, मनमोहन काजू, शिवाप्रसाद चौधरी, दीपक उपाध्याय, डॉ. अरविंद, अभिषेक पाण्डेय, सचिन सिंह, गौरव अग्रवाल, आदित्य, दिव्यांशु दुबे, सुभाष श्रीवास्तव, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, राजन कन्नौजिया, आकाश गुप्ता, कुन्दन वर्मा, दीपक सोनी, राकी सोनी, राकेश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल, असम में भाजपा की प्रचंड जीत पर जश्न, अखिलेश चौधरी 'विक्की' ने बांटी मिठाइयां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को चुनाव परिणाम सामने आते ही भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं के चेहरे खिल गये। भाजपा पिछड़ा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अखिलेश चौधरी 'विक्की' ने गौरा स्थित अपने निज निवास पर पश्चिम बंगाल और असम में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर क्षेत्र में लोगों के बीच मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला और एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया गया।

अखिलेश चौधरी 'विक्की' ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता के भरोसे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश भर में विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए जो कार्य किए हैं, उसी का परिणाम है कि जनता ने पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत की सरकार और असम में एक बार फिर पार्टी को अपना आशीर्वाद दिया है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि इसी उत्साह और ऊर्जा के साथ आगे भी जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों को पहुंचाएं और संगठन को और मजबूत बनाएं।

खुशियों को साझा करने के मौके पर सूरज चौधरी अमरजीत गुप्ता,मुना माइकल,मनीष पांडेय,रामजन्म चौधरी,अरमान खान,पंकज चौधरी,आदित्य चौधरी,पवन चौधरी,बब्बू चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे, जिन्होंने जीत की खुशी में जमकर जश्न मनाया।

उल्लास के साथ मनाया गया ग्रामीण बैंक का स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की महादेवा शाखा में सोमवार को प्रथम स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केक काटकर किया गया, जिसमें शाखा के सम्मानित ग्राहकों की विशेष भागीदारी रही।

इस अवसर पर शाखा प्रबंधक रुचि बाजपेई एवं अधिकारियों ने ग्राहकों के साथ मिलकर केक कटवाया और उपस्थित लोगों के बीच मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम में बैंक के प्रति ग्राहकों के विश्वास और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

शाखा प्रबंधक रुचि बाजपेई ने कहा कि बैंक ग्रामीण क्षेत्र के विकास एवं लोगों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने ग्राहकों से बैंक की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने की अपील भी की।

इस मौके पर फील्ड अधिकारी अभिषेक सिंह, कार्यालय सहायक प्रिया यादव सहित शाखा के सम्मानित ग्राहक उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

गुणवत्ताविहीन नाला बना मुसीबत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बांसी (सिद्धार्थनगर)। बांसीनगर पालिका परिषद की बड़ी लापरवाही सामने आई है, जहां गुणवत्ताहीन नाला निर्माण का खामियाजा अब आम जनता और दुकानदारों को भुगतना पड़ रहा है। कोतवाली रोड पर नाले की खराब गुणवत्ता और सफाई के अभाव के कारण जलनिकासी पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे सड़क तालाब में तब्दील हो गई है।

हालात इतने खराब हैं कि गंदा पानी अब स्थानीय दुकानों के अंदर तक घुसने लगा है। कई दुकानदारों का सामान खराब हो रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं आम लोगों का आना–जाना भी मुश्किल हो गया हैकृ लोगों को गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे संक्रमण और दुर्घटना का खतरा बढ़

गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले का निर्माण ही घटिया गुणवत्ता का हुआ है, जिसकी वजह से थोड़ी सी बारिश में ही यह समस्या विकराल रूप ले लेती है। बार–बार शिकायत के बावजूद नगर पालिका प्रशासन इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। अब सवाल उठता है कि आखिर इस गुणवत्ताहीन निर्माण और लापरवाही के लिए जिम्मेदार कौन है? और कब तक जनता यूं ही परेशान होती रहेगी?

इटवा में मौत की टंकी का खौफ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

इटवा (सिद्धार्थनगर)। इटवा नगर पंचायत क्षेत्र में जल जीवन मिशन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। करहिया पुल के पास बनी पानी की टंकी हल्की आंधी और बारिश में ही क्षतिग्रस्त होकर लटकने की स्थिति में पहुंच गई है। मामूली मौसम बदलाव में ही ढांचा जवाब देने से निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय ग्रामीणों ने इस टंकी को "मौत की टंकी" करार दिया है और बताया कि यह कभी भी गिरकर बड़ा हादसा कर सकती है और साथ ही साथ इसकी गुणवत्ता पर भी सवाल

उठाया । इलाके में दहशत का माहौल है और लोग डर के साये में जीने को मजबूर हैं।घटना की सूचना प्रशासन को दे दी गई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि टंकी को तत्काल हटाया जाए और पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री का फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारतीय छत्रपति शिवाजी महाराज वेलफेयर फाउन्डेशन के अध्यक्ष और निवर्तमान पूर्वांचल विकास बोर्ड उत्तर प्रदेश के सदस्य बौद्ध अरविंद सिंह पटेल के संयोजन में सोमवार को फाउंडेशन के सैकड़ो पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री शिवेंद्र सिंह का हर्रैया बाजार के महू घाट तिराहे पर फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। वे अपने गृह जनपद महाराजगंज जा रहे थे।

स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष महिला मंच गीता सिंह कुशवाहा, प्रदेश सचिव छात्र मंच प्रतिभा चौधरी, अभिनव श्रीवास्तव ,निशांत साहू , डॉ शिवकुमार वर्मा , डॉ राज किशोर वर्मा, प्रधान संघ के

पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश वर्मा, अनिल सिंह संतोष कुमार पाण्डेय , पूर्व प्रधान गौहर अली, राम सजीवन वर्मा, दिनेश पटेल, भोला यादव, रामपाल वर्मा, अवनीश सिंह वासुदेव पटेल प्रधान जयप्रकाश वर्मा सुग्रीव चौहान राम सुरमन ,वर्मा जयप्रकाश, वर्मा घनश्याम वर्मा आदि शामिल रहे।

बिना ऑपरेशन के बच्ची के गले से डाक्टर ने निकाला सिक्का

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कटरा पानी टंकी क्षेत्र निवासी विनय कुमार त्रिपाठी की पुत्री अवंतिका त्रिपाठी उम्र ढाई वर्ष साथ खेलते समय एक सप्ताह पहले हुई घटना ने परिजनों की चिंता बढ़ा दी थी। खेल–खेल में अवंतिका के गले में पांच रुपये का सिक्का फंस गया, जिसके बाद परिजन उसे लेकर स्थानीय डॉक्टरों के पास पहुंचे, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद सिक्का बाहर नहीं निकल सका।

परिजनों ने घरेलू उपाय के रूप में केला आदि खिलाकर भी सिक्का निकालने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। हालत में सुधार न होने पर बच्ची को बस्ती स्थित टी एन मेमोरियल हॉस्पिटल ले जाया गया। यहां के जी एम यू के डॉ. गया

प्रसाद शुक्ला (डीएम गैस्ट्रो) ने अपनी टीम के साथ एंडोस्कोपी तकनीक के माध्यम से बिना किसी ऑपरेशन के सफलतापूर्वक सिक्के को बाहर निकाल दिया।डॉक्टरों की इस कुशलता और तत्परता से बच्ची को बड़ी राहत मिली और परिजनों ने राहत की सांस ली। इस सफल उपचार के लिए चिकित्सकों की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

यूपी विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी कायस्थ पार्टी–अजय शंकर श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कायस्थ पार्टी के पदाधिकारियों की बैठक मण्डल अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव के संयोजन में चित्रगुप्त मंदिर के सभागार में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय शंकर श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ पार्टी आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा 2027के चुनाव में पूरे प्रदेश में चुनाव लड़ेंगी और ज्यादा से ज्यादा कायस्थ समाज के लोगों को विधानसभा में पहुंचाने का काम करेगी ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय शंकर ने कहा कि कायस्थ समाज अब किसी राजनीतिक पार्टी के पीछे ना चलकर अपना नेतृत्व स्वयं पैदा करेंगी क्योंकि कोई भी राजनीतिक पार्टी कायस्थ समाज की बात नहीं करती है। सभी राजनीतिक पार्टीयां कायस्थ विरोधी हैं जिसको कायस्थ समाज अब अच्छी तरह से जान चुका है ।

बताया कि कायस्थ पार्टी 1 नवम्बर को लखनऊ के गांधी भवन में एक प्रदेश स्तरीय कायस्थ सम्मेलन का आयोजन कर रही है जिसमें हजारों

–बैठक में बनी रणनीतिः प्रदेश स्तरीय में होगा राजनीति में सकिय भागीदारी पर फैसला

की संख्या में कायस्थ समाज के लोग सम्मिलित होंगे यह सम्मेलन कायस्थ समाज के राजनैतिक दशा एवं दिशा को तय करने में मील का पत्थर साबित होगी।

पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अपराजिता सिन्हा ने कहा कि 1 नवम्बर को होने वाले प्रादेशिक कायस्थ सम्मेलन को सफल बनाना हर कायस्थ पार्टी के पदाधिकारी का नैतिक कर्तव्य है क्यों कि यह सम्मेलन की सफलता ही कायस्थ समाज की राजनीति में भागीदारी सुनिश्चित करेंगी।

जिला अध्यक्ष डॉ रत्नेश श्रीवास्तव एवं नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रादेशिक सम्मेलन में बस्ती से सैकड़ों की संख्या में कायस्थ पार्टी के पदाधिकारी पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनायेंगे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री चित्रगुप्त मंदिर सभा के अध्यक्ष एवं कायस्थ पार्टी विधि प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन वर्मा ने कहा कि अब समय आ चुका है कि कायस्थ समाज राजनीति में बढ़–चढ़कर हिस्सेदारी निभायें क्यों कि बिना राजनीति में आयें समाज का विकास संभव नहीं है।सभा को मुख्य रूप राष्ट्रीय प्रवक्ता संदेश सामंत , राष्ट्रीय सचिव दीपेंद्र सिन्हा, गोरखपुर के मण्डल अध्यक्ष अमरेश श्रीवास्तव, पंकज भैया,ई राजेश श्रीवास्तव, प्रभाकर श्रीवास्तव राजेश चित्रगुप्त आदि ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला मण्डल अध्यक्ष नम्रता श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष प्रतिक्षा श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष प्रिया श्रीवास्तव,मीना, प्रिया,संजू, बीना, पूजा, अशोक, धर्मेन्द्र, राहुल, रत्नेश,अमन, रमेश, भूपेन्द्र, संजय, सुभाष, महेश्वरी, रत्नेश, विकास, अंशुल आनन्द, गौरव,अजय, सुमित, कुलदीप, धर्मेन्द्र, श्रेयांस, मनीष, संजय, सुनील, अनिल ,मयंक, सौरभ सिन्हा आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारियों का को सम्मानित किया गया।

बेसिक शिक्षा 360 डिग्रीः सोच से क्रियान्वयन तक सेमिनार में शैक्षणिक उत्थान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को "बेसिक शिक्षा 360 डिग्री सोच से क्रियान्वयन तक" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन ब्लाक रोड स्थित एक होटल के सभागार में किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुति ज्योति त्रिपाठी, केतकी पांडेय शशि वर्मा अजीता भारती द्वारा दी गई।

मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार की सराहना करते हुए कहा कि यह सेमिनार अपने उद्देश्यों की प्रभावी पूर्ति कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से विकासखंड रुधौली के खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार के उत्कृष्ट कार्य की प्रशंसा की और कहा कि निरंतर बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों एवं शिक्षकों को जनपद स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही सीएसएफ, रूम टू रीड एवं एसआरजी के योगदान की भी सराहना करते हुये उन्होंने निर्देशित किया कि सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अंतर्गत आंकड़े सटीक हों, जिससे सुधार की दिशा स्पष्ट हो सके। विद्यालयों में समय–सारिणी का कड़ाई से पालन, छात्रों की प्रगति का नियमित अंकन तथा संदर्शिका के अनुसार शिक्षण

–बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी, शिक्षक सम्मानित होंगे–सार्थक अग्रवाल
–सीखने की प्रक्रिया निरंतर जारी रखें शिक्षक– अनूप कुमार

कार्य सुनिश्चित किया जाए।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में विभिन्न जिला समन्वयकों द्वारा "स्कूल चलो अभियान", समावेशी शिक्षा, सामुदायिक सहभागिता एवं बालिका शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्तुतीकरण किया गया। इसके साथ ही डिजिटल अटेंडेंस, मिशन संवाद, गूगल फॉर्म एवं गूगल शीट जैसे तकनीकी उपकरणों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सीखने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहनी चाहिए और बेसिक शिक्षा को मिशन के रूप में लेकर कार्य करने से ही वास्तविक परिवर्तन संभव है।

कार्यक्रम का संचालन एसआरजी आशीष श्रीवास्तव ने किया । सेमिनार की शुरुआत "स्कूल चलो अभियान" सत्र से हुई, जिसका संचालन जिला समन्वयक बालिका शिक्षा सुनील त्रिपाठी ने किया। इसके पश्चात आइस ब्रेकिंग गतिविधि "लाफ्टर चौलेंज" एवं ऊर्जा गीत के माध्यम से प्रतिभागियों में उत्साह का संचार किया गया।

निपुण भारत मिशन पर आधारित सत्र जिला समन्वयक निपुण आलोक त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें निपुण सेल से कृतज्ञ एवं आदित्य का सहयोग रहा। समावेशी शिक्षा सत्र का संचालन सुनील त्रिपाठी एवं डीसी आईईडी रितु पाण्डेय ने किया। सामुदायिक सहभागिता पर सत्र सत्येंद्र श्रीवास्तव द्वारा तथा डिजिटल अटेंडेंस एवं मिशन संवाद पर सत्र ईश्वर चंद्र पांडे एवं दिव्यांश द्वारा लिया गया। गूगल फॉर्म एवं गूगल शीट पर प्रशिक्षण डीसीएमआईएस ईश्वर चंद्र पांडे द्वारा प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए विभिन्न नवाचारी एवं रोचक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें लाफ्टर एक्टिविटी, टावर निर्माण, आइडिया रॉकेट, आइडिया एक्सप्लोजन, 5 सेकंड रूल, वन चेंज चेन, थिंक लाइक ए चाइल्ड एवं स्टैंड–अप रोल प्ले प्रमुख रहे। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह जानकारी देते हुये पूर्व एआरपी सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि सेमिनार में कुल 71 एकेडमिक रिसोर्स पर्सन सहित खंड शिक्षा अधिकारी विनोद त्रिपाठी, अशोक कुमार, ममता सिंह, विजय आनंद, अरुण यादव, तथा जिला समन्वयक एवं अंगद पाण्डेय, रबीश मिश्र, बब्बन पाण्डेय, रविशंकर मिश्र सहित गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में ओपन माइक एवं फन एक्टिविटी का आयोजन किया गया, जिसने सेमिनार को और अधिक जीवंत बना दिया।

यह सेमिनार शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, सहभागिता एवं गुणवत्ता सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

असम की जीत में प्रभारी पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी का विशेष योगदान– अरविन्द पाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। असम विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत से बस्ती में खुशी की लहर है। भाजपा नेता अरविन्द पाल के नेतृत्व में बनकटी कस्बे में विजय यात्रा निकालकर बंगाल, असम, पुण्डीचेरी में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर खुशियों को साझा किया गया।

भाजपा के ऐतिहासिक जीत की खबर मिलते ही भाजपा नेता अरविन्द पाल के नेतृत्व में सीडीए एकेडमी से बनकटी बाजार तक विजय जुलूस निकाला और खुशियों को साझा किया। जुलूस में भाजपा के दिलीप पाण्डेय, विवेकानन्द शुक्ल, अच्युत पाण्डेय, परमात्मा यादव के साथ ही सैकड़ो शामिल रहे। विजय जुलूस में वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह ंत्री अमित शाह, असम प्रभारी हरीश द्विवेदी के चित्र की तख्तिया लेकर चल रहे थे।

भाजपा नेता अरविन्द पाल ने कहा कि इस ऐतिहासिक विजय पर देशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच उत्साह का माहौल है। खास तौर पर बस्ती की धरती से जुड़े वरिष्ठ नेता वर्ष 2024 से असम प्रदेश

–भाजपा की ऐतिहासिक जीत से खुशी की लहर, निकली विजय यात्रा, दिया संदेश

के प्रभारी के रूप में कार्य करते हुए पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का कार्य किया। यह प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये भाजपा के वरिष्ठ नेता अरविन्द पाल ने कहा कि हरीश द्विवेदी के नेतृत्व में भाजपा ने असम में बूथ स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत की। कार्यकर्ताओं के बीच ऊर्जा और समर्पण का संचार करते हुए उन्होंने संगठन को एक नई दिशा दी। उनकी रणनीति का ही परिणाम है कि भाजपा का जनाधार लगातार बढ़ता गया और चुनाव में इसका स्पष्ट असर देखने को मिला। इससे पहले भी हरीश द्विवेदी ने वर्ष 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई थी। उस समय भाजपा ने मात्र 2 सीटों से बढ़कर 77 सीटों तक पहुंचकर एक ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। यह उपलब्धि उनके संगठन कौशल और रणनीतिक सोच का प्रमाण मानी जाती है।

असम में भी उन्होंने दिन–रात मेहनत कर संगठन को हर वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया। गांव–गांव, बूथ–बूथ तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर उन्होंने भाजपा के पक्ष में मजबूत माहौल तैयार किया। उनकी कार्यशैली में जमीनी संपर्क, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद और स्पष्ट रणनीति की झलक देखने को मिलती है।

भाजपा नेता अरविन्द पाल ने कहा कि बस्ती के लोगों के लिए यह गर्व का विषय है कि उनके क्षेत्र का एक नेता राष्ट्रीय राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। हरीश द्विवेदी की कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता ने उन्हें पार्टी के भीतर एक प्रभावशाली स्थान दिलाया है। असम में भाजपा की इस जीत के बाद यह साफ हो गया है कि संगठन की मजबूती और सही रणनीति से किसी भी चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। आने वाले समय में हरीश द्विवेदी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं में उत्साह है ।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 मई 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

भगवा लहर

5 राज्यों के चुनावी नतीजों ने बड़े उलटफेर किए हैं। इससे देश के राजनीतिक नक्शे में कई बदलाव आए हैं। लेफ्ट अब राजनीतिक सत्ता से पूरी तरह बाहर हो गया है। वहीं भाजपा की अब 21 राज्यों में सरकार है या फिर वह उसका हिस्सा है। गंगोत्री से गंगासागर तक उसका पावर कॉरिडोर है। पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु समेत 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव ने देश के राजनीतिक नक्शे में कई बदलाव कर दिए हैं।

एक तरफ रिकॉर्ड बने हैं तो वहीं दूसरी तरफ तस्वीर ही बदल गई है। इसका असर आने वाले दिनों में राज्यसभा में दिखेगा तो वहीं राज्यों की सत्ता में भी भगवा प्रतिनिधित्व बढ़ता जा रहा है। इस चुनाव ने केरल, बंगाल, तमिलनाडु और असम समेत देश के 5 राज्यों में रिकॉर्ड की बारिश कर दी है। सबसे बड़ा रिकॉर्ड तो यही है कि भाजपा को पहली बार बंगाल में सरकार बनाने का मौका मिला है। यह उसके लिए एक सपने के साकार होने जैसा है।

यही वह राज्य है, जहां के जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी रहने वाले थे। यही नहीं आरएसएस की विचारधारा के भी बंगाल काफी करीब रहा है। संघ की विचारधारा में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले स्वामी विवेकानंद यहीं के थे। ऐसे में भाजपा का यहां पहली बार जीतना मायने रखता है। इस तरह ये चुनावी नतीजे कई रिकॉर्ड बना रहे हैं।

पहला रिकॉर्ड तो बंगाल की जीत ही है। यहां ममता बनर्जी की सरकार 15 साल की सत्ता के बाद गई है तो भाजपा को पहली बार चांस मिला है। चुनाव के दौरान मीडिया की हेडलाइंस इसी पर थीं कि ममता चौथी बार या पहली बार भाजपा सरकार। इनमें से दूसरी बात सही साबित हुई और पहली बार भाजपा सरकार बन रही है। इस जीत ने भाजपा के लिए नए द्वार खोल दिए हैं। इसका असर राज्यसभा चुनावों में भी दिखेगा। यही नहीं कई तरह के मुद्दों के चलते भाजपा को बैकफुट में माना जा रहा था, लेकिन इस जीत से उसे फिर से नई ताकत मिलेगी।

कभी बंगाल और केरल वामपंथी किले माने जाते थे। खराब वक्त में भी लेफ्ट का यहां शासन बना रहा था। 2011 में ममता बनर्जी ने यहां जीत हासिल की थी और तब से अब तक लेफ्ट यहां से सत्ता से बाहर है। उसके बाद केरल ही एकमात्र राज्य था, जहां उसकी सरकार थी। अब केरल में कांग्रेस की लीडरशिप वाले यूडीएफ को जीत मिली है। इसके साथ ही लेफ्ट का भारत के राजनीतिक नक्शे से एग्जिट हो चुका है।

भाषायी अस्मिता और क्षेत्रीय पहचान की राजनीति करने वाली डीएमके को करारा झटका तमिलनाडु में लगा है। एमके स्टालिन की 10 साल पुरानी सरकार विदा हो गई है। इसके अलावा ऐक्टर विजय थलापति की पार्टी टीवीके ने अकेले ही 110 सीटों पर बढ़त बना रखी है। तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेताओं के नेता बनने का पुराना इतिहास रहा है। हालांकि स्टालिन खुद को काफी मजबूत मान रहे थे। ऐसे में नौसिखाय कहे जा रहे विजय की बंपर जीत ने सारे समीकरण ही उलट–पलट दिए हैं। तमिलनाडु में जादुई आंकड़ा 117 का है। इस तरह वह अकेले दम पर भी सत्ता हासिल करने के करीब हैं।

अब भगवा लहर की बात की जाए तो यह 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंच चुकी है। यह भाजपा के लिए कामयाबी के नक्शे पर बढ़ते कदम जैसा है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, असम, ओडिसा, पुडुचेरी, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और आंध्र प्रदेश में फिलहाल भाजपा या फिर उसके नेतृत्व वाले एनडीए की सरकार है।

बंगाल की जीत ने पीएम मोदी के सपने को पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा था कि हमारा भविष्य में लक्ष्य होगा कि बंगाल और ओडिशा में जीत मिले। 2024 के आम चुनाव के साथ ही ओडिशा में भाजपा को जीत मिली थी। अब बंगाल का किला भी उसने फतह कर लिया है।

यूपी में अखिलेश को भी लग सकता है ममता वाला झटका

—अजय कुमार—

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की शानदार जीत का जो तूफान आया है, उसने पूरे देश को झंझोर के रख दिया है। वहां की जनता, खासकर हिंदू समुदाय ने एकजुट होकर ममता बनर्जी की तुष्टिकरण की राजनीति को करारा जवाब दिया। राज्य में वर्षों से चली आ रही मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति के खिलाफ हिंदुओं ने वोट की ताकत से विद्रोह कर दिया। यह कहना गलत नहीं होगा कि जिस तरह से बीजेपी को हराने के लिये मुस्लिम वोटर तुष्टिकरण की सियासत करने वालों के पक्ष में लामबंद होते हैं, उसी तरह से अब हिन्दू वोटर बीजेपी के पक्ष में एकजुट होकर वोटिंग करने लगे हैं। अब सवाल उठ रहा है कि क्या उत्तर प्रदेश में भी यही इतिहास दोहराया जाएगा? यहां समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की मुस्लिम तुष्टिकरण की सियासत को एकजुट हिंदू वोटर रोक देंगे? क्या अब जात–पात के नाम पर हिंदू समाज बंटेगा नहीं? और क्या पश्चिम बंगाल को फतह करने वाले रणनीतिकार सुनील बंसल एक बार फिर उत्तर प्रदेश की चुनावी जंग में कमान संभालकर भाजपा को विजयी बनाएंगे, जैसे उन्होंने 2017 में किया था?

उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से ही जटिल रही है। यहां सत्ता का खेल जातिगत समीकरणों पर टिका होता है। समाजवादी पार्टी ने लंबे समय से मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने पर जोर दिया है। अखिलेश यादव ने अपनी रणनीति में मुस्लिम समुदाय को लुभाने के लिए कई कदम उठाए। पंचायत चुनावों में मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट बांटना, उनके क्षेत्रों में विकास के नाम पर विशेष योजनाएं चलाना और हिंदू त्योहारों पर विवादास्पद बयान देकर तुष्टिकरण का राग अलापना, ये सब उनकी सियासत का हिस्सा बने। लेकिन पश्चिम बंगाल का उदाहरण सबके सामने है। वहां ममता बनर्जी ने भी इसी फॉर्मूले पर दांव लगाया था। रामनवमी पर जुलूसों पर पाबंदी लगाना, हिंदू मंदिरों के आसपास दुकानों पर कार्रवाई और मुस्लिम समुदाय को वोट के बदले लाभ पहुंचाना, इन सबने हिंदुओं को जगा दिया। नतीजा सबके सामने है। भाजपा ने वहां हिंदू एकता का झंडा बुलंद किया और भारी सफलता हासिल की। पश्चिम बंगाल के नतीजे आने के बाद उत्तर प्रदेश के हिंदू वोटर भी अब यूनाइट होने की बात करने लगे हैं। सोशल मीडिया पर चर्चाएं गर्म हैं, धार्मिक आयोजनों में राजनीतिक संदेश गूंज रहे हैं और जातिगत बंटवारे की पुरानी चाल अब काम नहीं आ रही।

पश्चिम बंगाल की जीत में भाजपा के रणनीतिकार सुनील बंसल की भूमिका अहम रही। उन्होंने हिंदू एकता पर जोर दिया। बंगाल के हर कोने में हिंदू समाज को एक सूत्र में बांधने के लिए सूक्ष्म रणनीति बनाई। गांव–गांव जाकर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया, धार्मिक नेताओं से संपर्क साधा और मुस्लिम तुष्टिकरण के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाया। 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी सुनील बंसल ने यही जादू दिखाया था। तब भाजपा ने जातिगत समीकरण तोड़े। ब्राह्मण, ठाकुर, दलित, ओबीसी सभी को एक मंच पर लाकर अखिलेश की सपा को पटखनी दी। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हिंदुत्व का मुद्दा उठा और विकास के वादों ने वोटरों को लुभाया। आज फिर वही हालात हैं। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सुनील बंसल की वापसी की चर्चा जोरों पर है। क्या वे एक बार फिर कमान संभालेंगे? उनके पास अनुभव है, नेटवर्क है और हिंदू एकता का मंत्र है। अगर भाजपा उन्हें जिम्मेदारी सौंपती है, तो अखिलेश की राह कठिन हो जाएगी।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के चुनावी समीकरण अब बदल चुके हैं। पहले हिंदू वोट जाति के आधार पर बंटते थे। जाटव दलित बसपा की ओर, यादव सपा की तरफ, ब्राह्मण और ठाकुर भाजपा के साथ। लेकिन अब हिंदू एकता का दौर चल पड़ा है। पश्चिम बंगाल की तर्ज पर यहां भी राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और अयोध्या विकास ने हिंदुओं को जोड़ा है। सोशल मीडिया ने जागरूकता फैलाई है। हर छोटे–बड़े हिंदू नेता अब तुष्टिकरण के खिलाफ बोल रहे हैं। अखिलेश की सपा अब सिर्फ मुस्लिम वोट पर निर्भर नहीं रह सकती। उनके पास मुस्लिम तुष्टिकरण के अलावा कुछ अन्य रास्ते खुले हैं। सबसे बड़ा रास्ता है युवाओं को लुभाना। सपा ने पहले भी लैपटॉप वितरण जैसी योजनाओं से युवा वोट हासिल किया था। अब वे बेरोजगारी, किसान कर्जमाफी और ग्रामीण विकास पर जोर दे सकते हैं। दूसरा रास्ता है गठबंधन की राजनीति। बसपा के साथ पुराना गठजोड़ दोहराना या छोटी जातियों को साधना। लेकिन सबसे चुनौतीपूर्ण होगा हिंदू ओबीसी वोट को तोड़ना। कुर्मी, मौर्य, निषाद जैसे समुदायों को सपा ने कभी मजबूत नहीं किया।

अगर अखिलेश इनके लिए विशेष आरक्षण या योजनाएं घोषित करें, तो कुछ सफलता मिल सकती है। तीसरा रास्ता है विकास का। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, गंगा अभियान और शहरीकरण जैसे मुद्दों पर सपा अगर ठोस वादे करे, तो शहरी हिंदू वोटर आकर्षित हो सकते हैं। लेकिन इन सबके बावजूद मुस्लिम तुष्टिकरण छोड़ना होगा, वरना हिंदू एकता सबको नेस्तनाबूद कर देगी।

इस सबके बीच यह हकीकत है कि उत्तर प्रदेश की सियासत में हवा का रुख बदल रहा है। पश्चिम बंगाल ने साबित कर दिया कि तुष्टिकरण की राजनीति का अंत हो चुका। यहां के हिंदू वोटर अब जाति से ऊपर उठकर सोच रहे हैं। भाजपा के पास योगी आदित्यनाथ जैसा मजबूत नेता है, जो बुलडोजर कार्रवाई से अपराधियों पर शिकंजा कस रहा है। कानून–व्यवस्था सुधरी है, माफिया खत्म हो रहे हैं। ये सब हिंदू समाज को भरोसा दे रहे हैं। सुनील बंसल अगर लौटे, तो उनकी रणनीति फिर कमाल करेगी। वे हर जिले में बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करेंगे, हिंदू संगठनों से गठजोड़ बनाएंगे और अखिलेश की कमजोरियों पर प्रहार करेंगे। सपा के पास मुस्लिम तुष्टिकरण के अलावा युवा, किसान और विकास के मुद्दे हैं, लेकिन इनका असर तभी होगा जब वे हिंदू वोट को नजरअंदाज न करें। अखिलेश को समझना होगा कि वोट बैंक की राजनीति अब पुरानी हो चुकी। एकजुट हिंदू वोटर अब किसी की नहीं सुनेंगे। वे सिर्फ अपने हितों की रक्षा करेंगे।

कुल मिलाकर, इस आज की तारीख में यूपी की चुनावी जंग में भाजपा का पलड़ा भारी लग रहा है। पश्चिम बंगाल की जीत ने पूरे देश में संदेश दिया है। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक हिंदू समाज में उत्साह है। धार्मिक उत्सवों में राजनीतिक बहसें हो रही हैं।

लोग कह रहे हैं, अब जात–पात नहीं, हिंदू एकता ही जीतेगी। अखिलेश अगर नहीं चेते, तो सपा का सफर मुश्किल होगा। सुनील बंसल की वापसी भाजपा के लिए वरदान साबित हो सकती है। 2017 की तरह वे फिर इतिहास रच सकते हैं। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश की राजनीति एक नए मोड़ पर है। तुष्टिकरण की हवा निकल चुकी, अब एकता का दौर शुरू हो गया।

तमिलनाडु 'विजय' के निहितार्थ

—अभिनय आकाश—

विजय के भाषण ही उनकी सबसे बड़ी ताकत बने। उन्होंने अपना भाषण दिया था कि मैं सुपरस्टार नहीं आपके घर का बेटा हूं। मैं शराब नहीं रोजगार देना चाहता हूं। हर इंसान जन्म से समान है। थिरुकुरल की लाइन पिरपुकम इल्ला उई कुर्रम यानीसब बराबर है। इस लाइन ने विजय को हर वर्ग से जोड़ दिया।

अक्टूबर 2021 तमिलनाडु में निकाय चुनाव होने वाले थे और खबर आती है कि एक सुपरस्टार का फैन क्लब चुनावी मैदान में पहली बार उतरेगा। फैन क्लब का नाम विजय मक्कल यक्कम वीएमआई। वीएमआई नाम के इस फैन क्लब को साल 2009 में बनाया था एक्टर विजय ने। जिन्हें उनके चाहने वाले कहते हैं विजय थलपति। थलपति जिसका शाब्दिक अर्थ है कमांडर या सेनापति। यही विजय अब तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में एक बड़े पॉलिटिकल कमांडर बनकर उभरे हैं। विजय की टी वीके ने सीएम स्टालिन की डीएमके का खेल पूरी तरह से तमिलनाडु में बिगाड़ दिया है। रुझानों में तमिलनाडु की सत्ता से सीएम स्टालिन आउट होते हुए इस वक्त नजर आ रहे हैं। एक्टर विजय बनेंगे तमिलनाडु के किंग यह अभी पिक्चर बनती हुई इस समय नजर आ रही है। तो आइए 234 सीटों के रण में कैसे विजय की आंधी ने बदला पूरा समीकरण यह जानते हैं। कैसे आखिर एक्टर विजय ने अपनी रैलियों में लोगों से ऐसा क्या कहा कि जनता ने उन्हें खुलकर वोट दिया। एक्टर विजय के वो सात धुआंधार वादे कौन से हैं जिन्होंने तमिलनाडु चुनाव में कराया उनकी पार्टी टीवी का दमदार डेब्यू। सिल्वर स्क्रीन से सियासी चौसार का एक्टर विजय का सफर आखिरकार कैसा है। थलपति विजय कितने करोड़ों के मालिक हैं?

बता दें कि तमिलनाडु की 234 सीटों पर मतगणना जारी है और रुझानों में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। टीवी पहली बार चुनाव लड़कर ही 80 से ज्यादा सीटों पर बढ़त बनाती हुई इस वक्त नजर आ रही है। वहीं बता दें कि डीएमके और एआईएडीएम के जैसे दिग्गज पार्टी इस समय पीछे छूटती हुई नजर आ रही है। यानी मुकाबला सिर्फ चुनाव नहीं सिस्टम बनाम नया चेहरा बन गया है इस वक्त तमिलनाडु में और यह पूरा खेल बदला है सिर्फ एक चेहरे ने जोसेफ विजय चंद्रशेखर यानी कि फैंस के लिए विजय थलापति 60 से ज्यादा फिल्में सुपरस्टार इमेज और करोड़ों की फैन फॉलोइंग तमिल सिनेमा में उनकी फिल्म रिलीज मतलब कोई त्योहार से यह कम नहीं होता और अब वही स्टारडम वोट में बदलता हुआ तमिलनाडु में नजर आ रहा थलापति विजय की कुल संपत्ति की बात करें तो लगभग जो डाटा है जो रिपोर्ट्स है उसके मुताबिक 400 से 450 करोड़ आकी जाती है। फिल्म ब्रांड एंडोर्समेंट और प्रॉपर्टी हर जगह उनकी पकड़ मजबूत है।

साल 2024 में बता दें कि विजय ने अपनी पार्टी को लॉन्च किया और उनकी पार्टी का नाम टीवी के दिया। लेकिन इसकी नींव उन्होंने पहले ही रख दी थी अपने फैन क्लब विजय मक्कल इयकम के जरिए। रैलियां, सोशल वर्क और सीधा कनेक्शन यानी एंट्री इनकी अचानक नहीं हुई। सोची समझी रणनीति के तहत इन्होंने तमिलनाडु की राजनीति में भूचाल ला दिया। विजय के भाषण ही उनकी सबसे बड़ी ताकत बने। उन्होंने अपना भाषण दिया था कि मैं सुपरस्टार नहीं आपके घर का बेटा हूं। मैं शराब नहीं रोजगार देना चाहता हूं। हर इंसान जन्म से समान है। थिरुकुरल की लाइन पिरपुकम इल्ला उई कुर्रम यानीसब बराबर है। इस लाइन ने विजय को हर वर्ग से जोड़ दिया।

27 अक्टूबर 2024 में विक्रम मंडी में उनकी पहली रैली होती है। लाखों की संख्या में लोग वहां मौजूद थे। लाल और पीली धारियों वाले झंडों से पूरा मैदान चमक रहा था। इन सबके बीच कड़ी धूप में धीमी दौड़ लगाते हुए विजय सभा में दाखिल होते हैं। लोगों का जोश अगले दिन के देश भर के अखबारों में छपने वाला था। उस मंच से विजय ने अपनी विचारधारा भी साफ कर दी थी। सेकुलर सोशल जस्टिस उन्होंने अपने गुरुओं के तौर पर पेरियार, के कामराज, डॉ. भीमराव अंबेडकर, वेलू नचियार और अंजलि अंबाल की तस्वीरें लगाई। यह एक बहुत ही सधा हुआ पॉलिटिकल स्टैंड है। पेरियार का नाम लेकर उन्होंने द्रविड़ विचारधारा डीएमके और एआईए डीएमके के वोट बैंक को साधा। कामराज के जरिए कांग्रेस के पुराने समर्थकों को और अंबेडकर के जरिए दलित समाज को वेलू नचियार और अंजलि अंबाल के जरिए तमिल राष्ट्रवाद और लैंगिक न्याय को विजय ने साधने की कोशिश की।

पहला वादा महिलाओं को ध्2500 महीना। साल में छह फ्री एलपीजी सिलेंडर। शादी के लिए 8 ग्राम सोना, छात्रों को ध्15,000 सालाना, महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, किसानों के कर्ज की माफी। सीधे जनता की जेब और जरूरत से जुड़ी स्कीम्स टीवी ने अपने वादों में रखी जो इस समय गेम चेंजर भी साबित होती हुई नजर आ रही है। फिलहाल के रुझानों से। विजय को लोगों ने क्यों चुना आप उसे भी समझ लीजिए। स्टार पावर इज इक्वल्स टू वोट बैंक। युवाओं का सपोर्ट मिला।

पुरानी पार्टियों से लोगों को भारी नाराजगी है। नया विकल्प बनकर विजय तमिलनाडु में आए और सबसे ज्यादा जो विजय की लाइन थी जो फेमस हुई वो था बेटा। बेटा वाली इमोशनल कनेक्ट ने यहां पर पूरे खेल को एक नया मोड़ ही दे दिया। वहीं बता दें कि तमिलनाडु में 50 साल से डीएमके और एआईएडीएमके का खेल चलता रहा था। लेकिन अब तस्वीर बदलती हुई नजर आ रही है। अगर यह रुझान नतीजों में बदले तो यह सिर्फ जीत नहीं दशकों बाद राजनीतिक परिवर्तन तमिलनाडु में होगा।

ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

—डॉ. प्रियंका सौरभ—

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, बल्कि पूरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। रुझानों और अंतिम परिणामों के अनुसार, बीजेपी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 165 से अधिक सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि टीएमसी 100 सीटों के आसपास सिमट गई। कांग्रेस और सीपीआई(एम) जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2–3 और 1–2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से पूरी तरह उलट हैं, जब टीएमसी ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी का वोट शेयर 2016 के मात्र 10: से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39: हो चुका था, और अब यह पूर्ण सत्ता में तब्दील हो गया।

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी–इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्त्) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदायकृ जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक हैकृने नागरिकता संशोधन कानून (ब्।।) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया। इसके अलावा, कानून–व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में ज्डब् कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा, ने गैर–टीएमसी मतदाताओं को एकजुट किया। पहले चरण में 92.88: का रिकॉर्ड मतदान इसी असंतोष का प्रमाण था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने इस लहर को और तेज किया। मोदी ने श्अंग–बंग–कलिंगश (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में बीजेपी शासन का नारा दिया, जबकि शाह ने 152 में से 110 सीटों पर बढ़त का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व, विकास और श्बुलडोजर बाबाश की छवि के साथ हिंदू मतदाताओं को लामबंद किया। महिला आरक्षण बिल को केंद्र सरकार की विफलता बताने वाले विपक्षी दावों को बीजेपी ने पलटकर टीएमसी के कुशासन से जोड़ा। उच्च मतदान ने दबे हुए वोटरोंकृखासकर महिलाओं और युवाओंकृको बाहर निकाला, जो टीएमसी के श्खेला होगाश नारे से प्रभावित नहीं हुए।

ममता बनर्जी की श्अजेय दीदीश वाली छवि इस हार के साथ पूरी तरह ध्वस्त हो गई। 2011 से बंगाल पर काबिज टीएमसी को अब विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी, जो उसके लिए अपरिचित चुनौती है। पार्टी में आंतरिक कलह की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि शुभेंदु अधिकारी जैसे पूर्व ज्डब् नेता बीजेपी में सफल साबित हुए। ममता ने एग्जिट पोल्स को श्बीजेपी का पेड नैरेटिवश करार दिया और केंद्र पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया, लेकिन रुझान सरकार गंवाने की ओर स्पष्ट इशारा कर रहे थे। टीएमसी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए, परंतु निष्पक्षता के प्रमाणकृजैसे रिकॉर्ड मतदानकृने इन दावों को कमजोर कर दिया। भविष्य में टीएमसी का पुनर्गठन कठिन होगा, क्योंकि उसका जमीनी संगठन भ्रष्टाचार के दागों से ग्रस्त हो चुका है।

राष्ट्रीय स्तर पर इस जीत के मायने गहन हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सीमित बहुमत वाली मोदी 2.0 सरकार को बंगाल ने पूर्ण राज्य सरकार के रूप में मजबूत आधार प्रदान किया। पूर्वी भारत में बीजेपी का विस्तारकृअसम और बिहार के साथ अब बंगालकृहिंदुत्व और विकास मॉडल की अपार सफलता का प्रमाण है। गठबंधन कमजोर पड़ जाएगा, क्योंकि टीएमसी का राष्ट्रीय कद घटेगा। उत्तर प्रदेश 2027 और बिहार चुनावों पर इसका सीधा असर पड़ेगा, जहां बीजेपी मजबूत स्थिति में होगी। संघ परिवार की संगठनात्मक क्षमता ने क्षेत्रीय दलों को कड़ी टक्कर दी, जो भविष्य के चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगी।

विपक्ष की स्थिति अब त्रिशंकु में आ गई है। कांग्रेस और वाम मोर्चा की नगण्य भूमिका 2021 से जारी रही, जो राष्ट्रीय विपक्ष की एकजुटता पर सवाल खड़े करती है। ममता का राजनीतिक करियर अब अनिश्चित हैकृक्या वे विपक्ष की नेता बनेंगी या पार्टी में नई पीढ़ी उभरेगी? विपक्ष को नई रणनीति अपनानी होगीरू या तो कांग्रेस–वाम का मजबूत गठबंधन, या नया क्षेत्रीय मोर्चा। बंगाल अब बीजेपी का गढ़ बन चुका है, जिससे विपक्ष की आवाज राष्ट्रीय पटल पर और मद्धम हो गई।

सामाजिक–आर्थिक दृष्टि से, नई बीजेपी सरकार विकास, कानून–व्यवस्था और घुसपैठ रोक पर फोकस करेगी। मातुआ समुदाय को ब्।। के लाभ मिलेंगे, जबकि बंगाल की जर्जर अर्थव्यवस्थाकृजो टीएमसी के कुशासन से पीड़ित थीकृको नई दिशा मिल सकती है। हालांकि, राजनीतिक हिंसा को समाप्त करना और बंगाली अस्मिता के साथ भगवा लहर का संतुलन बनाना प्रमुख चुनौतियां होंगी। महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों के मुद्देकृजैसे आरक्षण, रोजगार और शिक्षाकृनई सरकार के एजेंडे में रहेंगे। बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए विकास मॉडल लागू करना होगा। भविष्य की संभावनाएं रोचक हैं। बीजेपी को आंतरिक कलह से बचना होगा, जो उसके बंगाल संगठन की पुरानी कमजोरी रही है। विपक्ष को पुनर्जनन की आवश्यकता हैकृशायद ममता के नेतृत्व में नया आक्रमक रुख या कांग्रेस का पुनरुद्धार। यह चुनाव सिद्ध करता है कि स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय एजेंडे को परिभाषित करते हैं। बंगाल ने साबित कर दिया कि परिवर्तन अपरिहार्य है, और लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है। यह जीत न केवल बीजेपी की रणनीतिक विजय है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने चुनावी नतीजों पर मनाया जश्न

संवाददाता—गोण्डा। पश्चिम बंगाल समेत तीन राज्यों के चुनावी रुझानों में भारतीय जनता पार्टी को मिल रहे बहुमत के बाद गोंडा में भी जश्न का माहौल देखा गया। जिले के भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जमकर खुशी मनाई। यह जश्न गोंडा भाजपा कार्यालय में जिला कार्य समिति की बैठक के बाद आयोजित किया गया था। एमएलसी मानवेंद्र सिंह और गोंडा भाजपा अध्यक्ष इकबाल बहादुर तिवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को माला पहनाई, मिठाइयां बांटीं और ढोल–नगाड़ों के साथ भाजपा का झंडा लहराया गया है। इस अवसर पर गौरा से भाजपा विधायक प्रभात वर्मा, कटरा बाजार से बावन सिंह, तरबगंज से प्रेम नारायण पांडेय, मेहनौन से विनय कुमार द्विवेदी और मनकापुर से पूर्व कैबिनेट मंत्री रमापति शास्त्री मौजूद रहे। युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह और गोंडा के सोशल मीडिया प्रभारी अविनाश जायसवाल भी जश्न में शामिल हुए। पश्चिम बंगाल में भाजपा को मिल रहे बहुमत को लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखा गया। वर्तमान में करनैलगंज से भाजपा विधायक अजय कुमार सिंह पश्चिम बंगाल में मतगणना की ऑब्जर्वर के रूप में वोटों की गिनती करवा रहे हैं।

उन्होंने दैनिक भास्कर संवाददाता से फोन पर बातचीत में इस जीत पर खुशी जताई और पश्चिम बंगाल की जनता को धन्यवाद दिया है। अजय कुमार सिंह ने कहा कि गोंडा लौटने पर सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ एक बड़ा जश्न मनाया जाएगा। उन्होंने इसे कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की जीत बताया और कहा कि ममता सरकार की हार हुई है, जिसके बाद उनके गुंडों और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो जाएगी। गौरा भाजपा विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने कहा कि जिस तरीके से ममता बनर्जी की गुंडई पश्चिम बंगाल में चल रही थी आज से खत्म हो गई है। वहां पर सबका साथ सबका विश्वास सबके विकास के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है और वह काम करेगी। विधायक प्रेम नारायण पांडे ने कहा कि जिस तरीके से पीएम मोदी के नेतृत्व में वहां पर सरकार बनी है बहुत ही अच्छा है वहां की विकास के लिए और तेज गति से सरकार द्वारा काम किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत का जश्न अनोखे अंदाज में मनाया है। यहां पर कार्यकर्ताओं ने लाल बहादुर शास्त्री चौराहे पर झालमुड़ी बांटकर अपनी खुशी जाहिर की है। इस कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री अमर पाठक ने किया। वह एक बड़े बर्तन में प्याज और मिर्च के साथ झालमुड़ी लेकर चौराहे पर पहुंचे। उन्होंने मोटरसाइकिल सवारों और वहां मौजूद लोगों को रोक–रोककर झालमुड़ी का वितरण किया और उन्हें पश्चिम बंगाल में मिली जीत की बधाई दी। इस अवसर पर अमर पाठक ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की 'गुंडई' का अंत हो गया है। उन्होंने इस जीत को केवल भाजपा की नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान की जीत बताया और कहा कि एक 'अत्याचारी सरकार' का वहां खात्मा हुआ है।

पाठक ने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता जो पहले राम नाम लेने से डरती थी, अब वह राम नाम भी ले रही है और जश्न भी मना रही है। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि इस झालमुड़ी का 'तड़का' ममता बनर्जी और उनके 'गुंडों' को बहुत बुरा लगा है, और ध्युडेंड आज शाम के बाद सड़क पर ध्यंचर बनाते नजर आएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अब पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में श्सबका साथ, सबका विश्वास और सबका विकासश के सिद्धांत पर ऐतिहासिक कार्य किए जाएंगे। पीएम नरेंद्र मोदी जब पश्चिम बंगाल के चुनाव में गए थे तो वह एक दुकान पर जा करके झालमुड़ी खाए थे। उसी दिन से वहां का चुनावी परिणाम बदल गया था और आज सुबह जैसे ही वोटों की गिनती शुरू हुई है चुनावी परिणाम बीजेपी के पक्ष में ही आ रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और आम लोग मौजूद रहे।

आंधी–बारिश से गर्मी से मिली राहतरूजनजीवन प्रभावित सड़कों पर पेड़ गिरने से आवागमन बाधित

संवाददाता—कुशीनगर। सोमवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। दोपहर करीब 1 बजे आसमान में काले घने बादल छा गए और लगभग 1 बजकर 22 मिनट पर तेज आंधी शुरू हो गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया।

तेज हवा के झोंकों के कारण बाजार क्षेत्रों में अफरा–तफरी मच गई। पडरौना के सुभाष चौक पर लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर–उधर भागते दिखे। इस दौरान चौक पर जाम लग गया और यातायात व्यवस्था चरमरा गई। दुकानदारों ने आनन–फानन में अपना सामान समेटा, जबकि राहगीर सुरक्षित स्थानों की तलाश में भागे।

लगभग 1 बजकर 25 मिनट पर आंधी और तेज हो गई, जिसके तुरंत बाद मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ बादलों की तेज गर्जना से लोगों में दहशत फैल गई। कई स्थानों पर पेड़ों की डालियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जिससे आवागमन बाधित हुआ। लोग दुकानों और अन्य सुरक्षित स्थानों पर शरण लेते देखे गए। आंधी और बारिश के कारण दिन में ही अंधेरा छा गया, जिससे वाहन चालकों को हेडलाइट जलानी पड़ी। कम दृश्यता के कारण दुर्घटना की आशंका बढ़ गई। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई, जिससे लोगों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ा। इस अचानक मौसम परिवर्तन से पडरौना क्षेत्र सहित जिले के कई हिस्सों में बाजार, यातायात और दैनिक गतिविधियां कुछ समय के लिए ठप हो गईं। हालांकि, देर शाम तक स्थिति धीरे–धीरे सामान्य होने लगी, लेकिन लोगों में भय और असुविधा का माहौल बना रहा। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए बताया कि अगले 3 घंटों में जिले के कुछ स्थानों पर मध्यम से तेज गरज के साथ आंधी–तूफान की संभावना है। हवा की रफ्तार 40 से 60 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है, जो कुछ स्थानों पर 80 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती है। इसके साथ ही बिजली गिरने, मध्यम बारिश और कहीं–कहीं ओलावृष्टि की भी आशंका जताई गई है। विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की अपील की है।

पेड़ गिरने से ई–रिक्शा चालक की मौत

संवाददाता—बलरामपुर। मधपुर– गैंड़ासबुजुर्ग मार्ग पर सोमवार को तेज आंधी और बारिश के बीच हुए एक हादसे में ई–रिक्शा चालक तुलाराम (35) की मौत हो गई। बढ़या पकड़ी निवासी तुलाराम पर अर्जुन का एक विशाल पेड़ गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब तुलाराम गांव से गैंड़ास बुजुर्ग किसी आवश्यक सामान को लाने जा रहा था। अचानक आई तेज आंधी के कारण सड़क किनारे खड़ा पेड़ भरभराकर उसके ऊपर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने पेड़ को काटकर तुलाराम को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। थाना अध्यक्ष राजीव मिश्र ने घटना की पुष्टि की और बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। नायब तहसीलदार प्रतिमा मौर्या ने जानकारी दी कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद शासन की ओर से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। तुलाराम गांव में किराना दुकान चलाने के साथ–साथ ई–रिक्शा से आरो वाटर के डिब्बों की सप्लाई कर अपने परिवार का भरण–पोषण करता था। उसकी मौत से परिवार पर गहरा आर्थिक संकट आ गया है। उसके पीछे पत्नी, छह वर्षीय पुत्र और वृद्ध मां हैं, जिनका रो–रोकर बुरा हाल है।

पेड़ गिरने से दबकर बुजुर्ग की मौतः जानवरों को चारा डालने गए थे

संवाददाता—गोण्डा। सोमवार को एक पाकड़ का पेड़ गिरने से बुजुर्ग की दबकर मौत हो गई। यह घटना बनकसिया शिव रतन सिंह ग्राम पंचायत के सीरपुरवा मजरे में तेज आंधी और मूसलाधार बारिश के दौरान हुई है। जहां रामकरण अपनी भैंस को चारा डालने गए थे तभी अचानक उन पर पेड़ गिर गया। वे लगभग एक घंटे तक पेड़ के नीचे दबे रहे जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने शव को निकालने का प्रयास किया, लेकिन पेड़ के विशाल आकार और भारी वजन के कारण वे सफल नहीं हो पाए। बताया जा रहा है कि यह पेड़ करीब 200 साल पुराना और काफी जर्जर हो चुका था।

भीषण गर्मी में यह पेड़ लोगों को छाया प्रदान करता था, इसलिए इसे काटा नहीं गया था। मूसलाधार बारिश के कारण पेड़ के आसपास की मिट्टी गीली हो गई, जिससे वह गिर गया। रामकरण एक आंख से ठीक से देख नहीं पाते थे। उनकी पत्नी बभनान चीनी मिल में काम करके परिवार का गुजारा करती थीं। घटना की सूचना मिलते ही मनकापुर कोतवाल गौरव सिंह तोमर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से रामकरण के शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मनकापुर एसडीएम अवनीश त्रिपाठी ने भी राजस्व टीम को मौके पर भेजकर रामकरण की मौत से संबंधित आपदा रिपोर्ट मंगवाई है। गोंडा जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद मृतक के परिजनों को आपदा राहत कोष से 4 लाख रुपए का आर्थिक मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। आंधी और बरसात के समय लोगों को सचेत रहने के पहले से ही निर्देश दिए जा रहे हैं एडवाइजरी भी जारी की गई है जिनके भी घरों के आसपास पुराने पेड़ हैं उसकी कटाई करवा करके उसे हटवा दें।

बस्ती जनपद के स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय वशिष्ठ महोत्सव मंगलवार से –राना दिनेश प्रताप सिंह

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। बस्ती जनपद के स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय वशिष्ठ महोत्सव मंगलवार से शुरू होगा। महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले कलाकार कोलकाता और लखनऊ से बस्ती पहुंच चुके है। प्रदेश के प्रत्येक जनपदों से बालक बालिका खो खो खिलाड़ियों की टीमें अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं। एक दर्जन से ज्यादा हैंडबॉल, वालीबाल और कबड्डी की टीमों ने अपना रजिस्ट्रेशन पहले ही करा लिया है। अमर शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में प्रथम दिन अपराह्न 03 बजे से राज्य स्तरीय खो खो तथा जनपदीय हैंडबॉल, वालीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिताओं का मुकाबला प्रारम्भ होगा। सायं 06 बजे कवि सम्मेलन और रात्रि 08 बजे से भव्य सांस्कृतिक संध्या होगी। उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि 06 मई को सुबह 09 बजे से खेलों का सेमी फाइनल मैच होगा। उसी दिन सायं 06 बजे महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र में दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। रात्रि 07 बजे से स्टेडियम स्थित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकार अपना जलवा बिखेरेंगे। श्री राना ने बताया कि 07 मई को सुबह 09 बजे से खेलों का फाइनल मैच होगा और अपराह्न 03 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच पुरस्कार वितरण और समापन समारोह सम्पन्न हो जाएगा। उन्होंने महर्षि वशिष्ठ की तपोभूमि बस्ती के स्थापना दिवस पर आयोजित वशिष्ठ महोत्सव में जनपद वासियों से सपरिवार पहुंचने की अपील किया है।

आकाशीय बिजली से दो गोवंशों की मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। सोमवार मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश के बीच इकौना थाना क्षेत्र के पूरे दिन नाम गढ़ गांव में आकाशीय बिजली गिरने से दो गोवंशों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से पीड़ित किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी काली प्रसाद के गोवंश घर से कुछ दूरी पर खुले स्थान में बंधे थे। तेज बारिश और बिजली कड़कने पर काली प्रसाद उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए मौके पर पहुंचे। हालांकि, उनके पहुंचने से पहले ही वज्रपात की चपेट में आने से दोनों गोवंशों की मौत हो चुकी थी।

ग्रामीणों ने बताया कि हाल के दिनों में मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। अचानक तेज बारिश और वज्रपात की घटनाओं के कारण किसानों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। मृत गोवंश किसान काली प्रसाद की आजीविका का साधन थे, जिससे उन्हें गहरा आर्थिक आघात लगा है।

मौसम विभाग ने पहले ही खराब मौसम और वज्रपात की आशंका को लेकर चेतावनी जारी की थी। जिला प्रशासन भी लगातार आमजन से अपील कर रहा है कि बारिश और बिजली गिरने के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों के नीचे या खेतों में न रुकें। साथ ही, मवेशियों को भी सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी गई है। प्रशासन का मानना है कि सावधानी बरतकर ऐसे हादसों से बचा जा सकता है।

मौसम अचानक बदल गया। सुबह तेज धूप और पुरवाई हवा के साथ दिन की शुरुआत हुई लेकिन कुछ ही घंटों में मौसम ने पलटी मार ली। आसमान में घने बादल छा गए और चारों तरफ अंधेरा हो गया। देखते ही देखते पश्चिम दिशा से तेज आंधी आई और झमाझम बारिश शुरू हो गई। शनिवार की रात कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई थी। रविवार को मौसम पूरी तरह साफ रहा। सोमवार सुबह भी धूप खिली रही और तेज पुरवाई हवा चलती रही। लेकिन सुबह नौ बजते–बजते आसमान का रंग बदलने लगा।

घने बादलों ने सूरज को ढक लिया और चारों ओर घना अंधेरा छा गया। पश्चिम दिशा से तेज पछुआ आंधी आई और उसके साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। जेठ के महीने में भी लोगों को ठंड का एहसास हुआ। तेज आंधी के कारण बिजली गुल हो गई। करीब एक घंटे तक आंधी और बारिश का सिलसिला जारी रहा जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ।

आंधी–बारिश से बिजली व्यवस्था ठपः कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित, पेड़ और पोल गिरे

संवाददाता—बलरामपुर। तेज आंधी और मूसलाधार बारिश के कारण बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। तूफान के चलते विद्युत लाइनों में बड़े पैमाने पर खराबी आने के साथ ही सुरक्षा कारणों से पूरे जिले की बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई है। आंधी–तूफान की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कई स्थानों पर बिजली के खंभे टूटकर गिर गए। इसके अतिरिक्त, जगह–जगह पेड़, टहनियां और डालियां विद्युत खंभों व तारों पर गिरने से आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। बलरामपुर नगर के कई प्रमुख इलाके अंधेरे में डूबे हुए हैं। भगवतीगंज उपकेंद्र से जुड़े फुलवरिया बाईपास, नहर बालागंज, टेढ़ी बाजार, गदुरहवा और बलुहा क्षेत्रों में बिजली नहीं है। वहीं, पूरबटोला उपकेंद्र से नई बस्ती, पूरबटोला, झंझरा, खलवा, बड़ा पुल, चौक बाजार और तुलसीपुर रोड की आपूर्ति भी ठप है। टाउन उपकेंद्र से कलेक्ट्रेट, अचलपुर, नीलबाग पैलेस, धुसाह, पहलवारा, सिविल लाइन, तुलसी पार्क, वीर विनय चौराहा और बाजार क्षेत्र की बिजली भी प्रभावित हुई है। इसके अलावा, उतरौला, पचपेड़वा, गैसड़ी, गैंडासबुजुर्ग, अचलपुर चौधरी, सादुल्लाहनगर, तुलसीपुर, हरैया सतघरवा और गौरा जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली गुल है। बिजली विभाग के अनुसार, लाइन स्टाफ लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और सतर्क है। मौसम सामान्य होते ही लाइन पेट्रोलिंग, फॉल्ट सुधार और आवश्यक रखरखाव का कार्य तेजी से पूरा कर आपूर्ति बहाल की जाएगी। फिलहाल, स्थानीय लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है।

कार्यालय ग्राम धमौरा वि.खं. साऊंघाट, जिला–बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **धमौरा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि/अन्त्येष्टि स्थल का विकास/मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्य हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैंड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, ह्यूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **धमौरा** के निविदा बाक्स में दिनांक 11–05–2026 तक अपराह्न 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपराह्न 03:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर धनराशि मु० 5000—00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 05—05—2026 से दिनांक 11—05—2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1— जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2— आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3— कार्यालय ग्राम पंचायत **धमौरा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4— सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **धमौरा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5— जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6— सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7— सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8— प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9— आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10— धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **धमौरा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11— आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12— ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13— आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14— निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15— सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16— निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(रीमा चौधरी) — प्रधान — ग्राम पंचायत–**धमौरा**

(अजय कुमार) — सचिव — ग्राम पंचायत–**धमौरा**

पश्चिम बंगाल, असम और पांडुचेरी की जनता ने शांति, प्रगति और सुरक्षा के मार्ग को चुना - नितेश शर्मा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम में भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल, असम और पांडुचेरी के चुनावों में हुई शानदार जीत पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता नितेश शर्मा ने कहा कि विकास, सुशासन और जनता के अटूट विश्वास की जीत है। यह विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की एक और मजबूत मुहर है। भाजपा नेता नितेश ने कहा कि ध्वसम की जनता ने एक बार फिर शांति, प्रगति और सुरक्षा के मार्ग को चुना है। वहीं पश्चिम बंगाल में मिली सफलता यह दर्शाती है कि समाज का हर वर्ग भाजपा की समावेशी राजनीति के साथ मजबूती से खड़ा है। पांडुचेरी में एनडीए की जीत सुशासन और स्थायित्व की जीत है। मुख्यमंत्री एन. रंगासामी जी के नेतृत्व में केंद्र शासित प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। यह परिणाम न केवल विपक्ष की नकारात्मक राजनीति को करारा जवाब है, बल्कि यह श्अंत्योदयश और श्सबका साथ, सबका विकासश के संकल्प की विजय है। कहा कि घ्हम इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए पश्चिम बंगाल, असम और पांडुचेरी की जागरूक जनता का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही, पार्टी के उन लाखों कर्मठ कार्यकर्ताओं को बधाई देते हैं, जिनके अथक परिश्रम और समर्पण से यह गौरवशाली सफलता संभव हुई है। भाजपा जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने और निरंतर सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। तमिलनाडु और केरल में पार्टी अपनी विचारधारा को घर–घर तक पहुंचाने के लिए निरंतर संघर्षरत रहेगी।

ट्रेलर की टक्कर से ट्रैक्टर चालक की मौत

संवाददाता—गोण्डा। सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में ट्रैक्टर–ट्रॉली चालक की मौके पर ही मौत हो गई। नवाबगंज के पास हुई यह घटना तब हुई जब एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने ट्रैक्टर–ट्रॉली को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान बस्ती जिले के परसरामपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव निवासी 18 वर्षीय राजू यादव के रूप में हुई है। राजू सोमवार सुबह करीब पांच बजे ट्रैक्टर–ट्रॉली लेकर अयोध्या जा रहा था। नवाबगंज–बस्ती मार्ग पर इस्माइलपुर गांव के पास कंचनपुर मोड़ पर यह हादसा हुआ। कंचनपुर की ओर से आ रहा ट्रेलर अचानक हाईवे पर आ गया। इसी दौरान कटरा शिवदयाल गंज की तरफ से आ रही ट्रैक्टर–ट्रॉली ट्रेलर की चपेट में आकर उससे टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि राजू यादव ट्रैक्टर से उछलकर सड़क पर गिर गया। इसी बीच, सड़क से गुजर रहे किसी अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

गौ हत्यारों का पैसा-वोट नहीं चलेगा -जगदगुरु शंकराचार्य

संवाददाता—कुशीनगर। ज्योतिषपीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गविष्टि यात्रा सोमवार को कुशीनगर पहुंची। इस दौरान उन्होंने गौ संरक्षण पर जनजागरण अभियान चलाया और अपने बयानों से सियासी हलचल तेज कर दी। यह यात्रा जिले की विभिन्न विधानसभाओं में भ्रमण कर रही है। हाटा विधानसभा के कप्तानगंज चौराहे पर यात्रा का स्वागत किया गया। समाजवादी पार्टी सरकार में पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह ने अपने समर्थकों के साथ शंकराचार्य का पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और कार्यकर्ता उपस्थित थे। अपने संबोधन में शंकराचार्य ने गौ रक्षा पर तीखा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, घ्गाय का खून और दूध एक पात्र में नहीं रह सकता, उसी तरह गौ हत्यारों का पैसा और वोट गौ सेवकों के साथ नहीं चल सकता। उन्होंने यह भी कहा कि समाज दो वर्गों में बंट गया है। एक जो गौ सेवा को धर्म मानता है और दूसरा जो केवल अपने स्वार्थ को देख रहा है।

समर्थकों ने झालमुरी बांट मनाया जश्न

संवाददाता—श्रावस्ती। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के ताजा रुझानों ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। इन रुझानों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है और आजादी के बाद पहली बार राज्य में अपने दम पर सरकार बनाने की ओर तेजी से बढ़ रही है। लगातार 15 वर्षों से सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को इन रुझानों में करारी हार का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी कई महत्वपूर्ण और पारंपरिक सीटों पर पीछे चल रही है। रुझानों के मुताबिक, भाजपा 148 सीटों के बहुमत के आंकड़े से काफी आगे निकल चुकी है। यह परिणाम 2021 के विधानसभा चुनाव से बिल्कुल उलट तस्वीर पेश करता है। उस समय भाजपा ने 77 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी दल का दर्जा हासिल किया था। अब 2026 में यही संघर्ष सत्ता परिवर्तन में बदलता नजर आ रहा है।

श्रावस्ती में भाजपा समर्थकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। युवा समर्थक ओमप्रकाश वर्मा ने कहा कि पांच राज्यों में हुए चुनावों में से तीन राज्यों में भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बना रही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत को श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने के साकार होने जैसा बताया। समर्थकों का कहना है कि यह जीत केवल भाजपा की नहीं, बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल की जीत है। ऐतिहासिक बढ़त की खुशी में कार्यकर्ताओं ने झालमुरी बांटकर जश्न मनाया।

भाजपा की जीत पर महाराजगंज में जश्न, कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी

संवाददाता—महराजगंज। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने हाल ही में संपन्न आम चुनावों में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन और प्रचंड जीत का जश्न मनाया। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में मिली ऐतिहासिक सफलता और असम में पुनः बहुमत प्राप्त करने के बाद कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने जगह–जगह मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। यह उत्साह जनपद महाराजगंज में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ।

इस अवसर पर पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और विकास कार्यों पर जनता की मुहर है। उन्होंने जोर दिया कि देश की जनता ने एक बार फिर स्थिर और मजबूत सरकार के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया है।

विधायक सिंह ने पश्चिम बंगाल की सफलता को कार्यकर्ताओं के संघर्ष और समर्पण का परिणाम बताया, जबकि असम में पुनः बहुमत को विकास और सुशासन की जीत करार दिया।

सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने इस विजय को भारतीय जनता पार्टी के संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का प्रतिफल बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हमेशा गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में कार्य किया है, जिसका सकारात्मक परिणाम आज पूरे देश में दिखाई दे रहा है। विधायक कन्नौजिया ने कार्यकर्ताओं से इसी ऊर्जा के साथ संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने अपने बयान में कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और नेतृत्व पर जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। पांडेय ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी कार्यकर्ता इसी उत्साह और समर्पण के साथ पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करेंगे।

ग्राम पंचायत सरौता विकास खण्ड नौगढ़, जनपद–सिद्धार्थनगर

अल्पकालीन निविदा सूचना

ओडीएफ ग्राम पंचायत **सरौता** द्वारा जी राम जी / राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना / विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) / 15वां / 16वां वित्त / केन्द्रीय वित्त / पंचम राज्य वित्त आयोग /उत्सव भवन / स्वच्छ भारत मिशन/एम.एल.एल. डब्ल्यू. एम. / सांसद / विधायक एम. एल. सी. निधि के अन्तर्गत वर्ष 2026–2027 में स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (प्रथम श्रेणी ईंट, सीमेंट, ईंट की गिट्टी, पत्थर की गिट्टी, सरिया, पेंट, साइनबोर्ड, ह्यूम पाइप, स्ट्रीट लाइट, सफाई सामग्री, बेला, सादा बालू, मोरंग बालू, कूड़ादान, प्लास्टिक बैक, ई–रिक्शा साइकिल, ई–रिक्शा मरम्मत, स्वच्छता किट, इन्सिनरेटर आदि एवं अन्य प्रकार की निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। इस निमित्त निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 12–05–2026 को समय 02:00 बजे तक अपनी निविदा फार्म मूल्य रू100.00 के स्टाम्प पेपर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **सरौता** निविदा बॉक्स में डालेंगे। निविदा उसी दिन 03:00 बजे निविदाताओं के समक्ष खोली जाएगी। शर्तें एवं नियमावली: 1. अधिकृत फर्म/अधिकृत डीलर का जी. एस.टी. रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 03 वर्ष का आयकर क्लियरेंस संलग्न करना अनिवार्य है। 2. जी. एस. टी. तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर ही दरें प्रस्तुत की जाएं। 3. आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2.28 प्रतिशत आयकर/टीडीएस देना होगा। 4. प्रस्तुत दरें पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी। भुगतान पी.डब्ल्यू.डी. के समयानुसार तय दर पर ही किया जाएगा। 5. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, टीए, अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जाएगी 16. धरोहर की धनराशि रू 5000.00 (पांच हजार) होगी। 7. धरोहर की राशि राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफडीआर/एनएससी एवं डाकघर के बचत पत्र के रूप में सचिव ग्राम पंचायत के नाम बंधक होगी। मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 8. निविदा स्वीकृत होने के उपरांत ग्राम प्रधान सचिव ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी। 9. आदेश देने के सात दिनों के अंदर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जाएगी। 10. सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 11. सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 12. आपूर्ति कर्ता को भुगतान का इंजीनियर/अवर अभियंता (या अभियंता) /तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा माप के उपरांत किया जाएगा। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। 13. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र रू 100.00 में ही स्वीकार किया जाएगा। 14. निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है। 15. निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 16. निविदा के सम्बन्ध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत **सरौता** से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। 17. जिस कार्य की निविदा पृथक से निकाली जाएगी उस कार्य पर इस निविदा की शर्तें लागू नहीं होंगी।

ग्राम प्रधान
सोनी
ग्राम पंचायत–सरौता
विकास खण्ड–नौगढ़,
सिद्धार्थनगर

सचिव
अभिनव ओझा
ग्राम पंचायत–सरौता
विकास खण्ड–नौगढ़,
सिद्धार्थनगर

ग्राम पंचायत कन्दवा विकास खण्ड नौगढ़ जनपद–सिद्धार्थनगर

अल्पकालीन निविदा सूचना

ओडीएफ ग्राम पंचायत **कन्दवा** द्वारा जी राम जी / राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना / विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) / 15वां / 16वां वित्त /केन्द्रीय वित्त / पंचम राज्य वित्त आयोग /उत्सव भवन / स्वच्छ भारत मिशन/एम.एल.एल. डब्ल्यू. एम. / सांसद / विधायक एम. एल. सी. निधि के अन्तर्गत वर्ष 2026–2027 में स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (प्रथम श्रेणी ईंट, सीमेंट, ईंट की गिट्टी, पत्थर की गिट्टी, सरिया, पेंट, साइनबोर्ड, ह्यूम पाइप, स्ट्रीट लाइट, सफाई सामग्री, बेला, सादा बालू, मोरंग बालू, कूड़ादान, प्लास्टिक बैक, ई–रिक्शा साइकिल, ई–रिक्शा मरम्मत, स्वच्छता किट, इन्सिनरेटर आदि एवं अन्य प्रकार की निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। इस निमित्त निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 12–05–2026 को समय 12:00 बजे तक अपनी निविदा फार्म मूल्य रू100.00 के स्टाम्प पेपर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **कन्दवा** निविदा बॉक्स में डालेंगे। निविदा उसी दिन 01:00 बजे निविदाताओं के समक्ष खोली जाएगी। शर्तें एवं नियमावली: 1. अधिकृत फर्म/अधिकृत डीलर का जी. एस.टी. रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 03 वर्ष का आयकर क्लियरेंस संलग्न करना अनिवार्य है। 2. जी. एस. टी. तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर ही दरें प्रस्तुत की जाएं। 3. आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2.28 प्रतिशत आयकर/टीडीएस देना होगा। 4. प्रस्तुत दरें पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी। भुगतान पी.डब्ल्यू.डी. के समयानुसार तय दर पर ही किया जाएगा। 5. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, टीए, अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जाएगी 16. धरोहर की धनराशि रू 5000.00 (पांच हजार) होगी। 7. धरोहर की राशि राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफडीआर/एनएससी एवं डाकघर के बचत पत्र के रूप में सचिव ग्राम पंचायत के नाम बंधक होगी। मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 8. निविदा स्वीकृत होने के उपरांत ग्राम प्रधान सचिव ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी। 9. आदेश देने के सात दिनों के अंदर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जाएगी। 10. सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 11. सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 12. आपूर्ति कर्ता को भुगतान का इंजीनियर/अवर अभियंता (या अभियंता) /तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा माप के उपरांत किया जाएगा। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। 13. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र रू 100.00 में ही स्वीकार किया जाएगा। 14. निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है। 15. निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 16. निविदा के सम्बन्ध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत **कन्दवा** से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। 17. जिस कार्य की निविदा पृथक से निकाली जाएगी उस कार्य पर इस निविदा की शर्तें लागू नहीं होंगी।

ग्राम प्रधान
अनारकली
ग्राम पंचायत–कन्दवा
विकास खण्ड–नौगढ़,
सिद्धार्थनगर

सचिव
अभिनव ओझा
ग्राम पंचायत–कन्दवा
विकास खण्ड–नौगढ़,
सिद्धार्थनगर

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 80 / 2025
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर

मो0 हुसेन आदि
बनाम
इश्तियाक खान आदि

1. इश्तियाक खान उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र मो0 अली साकिन चौकनिया तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादी प्रथम पक्ष
2. फैजुल्लाह उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र अजमतुल्लाह साकिन चौकनिया तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादी द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 21–05–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **21–05–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 4–5–2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /
क0 वाद सं0– T201917140202138
धारा 24 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला–बस्ती

पूर्णमासी आदि
बनाम
ग्राम पंचायत आदि

बावत मौजा परसाखुर्द बुजुर्ग दरियापुर जंगल तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
1. ग्राम पंचायत/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति जरिये प्रधान ग्राम पंचायत परसाखुर्द बुजुर्ग दरियापुर जंगल तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 2. नकछेद पुत्र रतन 3. गीता देवी पुत्री रंजीत 4. राजमन पुत्र रामकिशुन 5. गीता पत्नी मोहन साकिनान मौजा परसाखुर्द बुजुर्ग दरियापुर जंगल तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 06–05–2026

वाजेह हो कि देवी ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 29 माह 04 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

चार बच्चों और मां की हत्या का आरोपी आमिर पुलिस मुठभेड़ में ढेर, दो पुलिसकर्मी भी घायल

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र स्थित मीरानपुर मुरादाबाद मोहल्ले में हुए सनसनीखेज हत्याकांड के मुख्य आरोपी आमिर को पुलिस ने सोमवार सुबह एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। पुलिस और बदमाश के बीच यह मुठभेड़ बाईपास के पास हुई। मुठभेड़ में पुलिस टीम के दो जवान भी घायल हो गए। मरैला चौकी प्रभारी राजेश यादव और एसओजी में तैनात सिपाही जाकिर हुसैन के बाएं हाथ में गोली लगी है। दोनों घायल पुलिसकर्मियों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह पुलिस को आरोपी आमिर की लोकेशन बाईपास के पास मिली। घेराबंदी करने पर आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के सीने पर गोली लगी। घायल अवस्था में उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल एसपी प्राची सिंह के अस्पताल पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद पुलिस आधिकारिक बयान जारी करेगी।

यह हृदयविदारक घटना शनिवार दोपहर करीब तीन बजे की है। मीरानपुर मुरादाबाद मोहल्ले के निवासी नियाज, जो सऊदी अरब में नौकरी करते हैं, उनके चार मासूम बच्चों–शफीक (14), सऊद (12), उमर (10) और बेटी बयान उर्फ सादिया (8)की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। बच्चों के सिर पर सिलबट्टे जैसे किसी भारी वस्तु से ताबड़ तोड़ प्रहार किए गए थे।

इस हत्याकांड ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब शुरूआती जांच में पुलिस और स्थानीय लोगों को हत्या का शक बच्चों की मां गासिया खातून पर हुआ, क्योंकि घटना के बाद से ही वह लापता थी। कयास लगाए जा रहे थे कि मां ने ही इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गई। हालांकि, रविवार शाम को स्थिति पूरी तरह बदल गई जब गासिया खातून का शव भी एक नाले से बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने अपनी तफ्तीश की दिशा बदली और आरोपी आमिर की तलाश तेज की, जिसका अंत सुबह एनकाउंटर के रूप में हुआ। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस सामूहिक हत्याकांड के पीछे आमिर का क्या मकसद था। अकबरपुर के मीरानपुर मुरादाबाद में चार बच्चों की हत्या के बाद रविवार शाम मां गासिया खातून का नाले में शव उतराता मिला। छानबीन कर रही पुलिस ने शव मिलने पर आनन–फानन में उसे बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर भेज दिया। अब तक हत्यारोपी बताई जा रही महिला का शव मिलने के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। परिवार के लोग हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस बच्चों की हत्या के बाद महिला शव मिलने पर अब जांच की दिशा बदल रही है। हालांकि अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। मुरादाबाद मोहल्ले में शनिवार दोपहर करीब तीन बजे सऊदी अरब में नौकरी करने वाले नियाज के पुत्र शफीक (14), सऊद (12), उमर (10) और बेटी बयान (8) उर्फ सादिया की

सिलबट्टे जैसी किसी भारी वस्तु से सिर पर ताबड़तोड़ प्रहार कर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से मां गासिया खातून गायब थीं। बताया जा रहा था कि पति नियाज के सऊदी अरब में पाकिस्तानी महिला से निकाह होने के चलते गासिया खातून से विवाद चल रहा था। इस आधार पर पुलिस ने महिला को ही बच्चों की हत्या का आरोपी माना। बच्चों के बड़े ताऊ सलीम की तहरीर पर पुलिस ने महिला के विरुद्ध हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू की थी। रविवार दोपहर करीब दो बजे बच्चों के सुपुर्द–ए–खाक होने के चंद घंटों बाद ही शाम पांच बजे घर से करीब 100 मीटर दूर नाले में महिला का शव पड़ा होने की सूचना मिली।

इस पर एएसपी पश्चिमी हरेंद्र कुमार, सीओ सिटी नितीश कुमार तिवारी और इंस्पेक्टर श्रीनिवास पांडेय मौके पर पहुंचे और चंद मिनटों में ही शव को बाहर निकलवाकर पति नियाज को फोटो भेजकर शिनाख्त कराई। शव मिलने के बाद अब न सिर्फ पूरे घटनाक्रम में नया मोड़ आ गया बल्कि अब तक की तमाम थ्योरी पर भी सवाल उठा दिए हैं। पुलिस के अनुसार महिला के शरीर पर चोटों के निशान नहीं हैं। एसपी प्राची सिंह ने कहा कि घटनास्थल से कुछ दूरी पर ही नाले में महिला का शव उतराता मिला है। शव पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। हत्या और आत्महत्या समेत सभी बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है। जल्द पूरे घटनाक्रम का अनावरण कर लिया जाएगा।

अदालती नोटिस

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) डुमरियागंज सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उ0 वाद संख्या 08 / 2026
1– निकिता सिंह आयु लगभग 30 वर्ष पुत्री राजेश बहादुर सिंह पत्नी बृजकिशोर पाल 2. अनामिका सिंह आयु लगभग 22 वर्ष पुत्री राजेश बहादुर सिंह निवासीगण ग्राम सिकटा पोस्ट सिकटा तप्पा बैनिया परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर
–आवेदकगण
बनाम
सरकार इस्टेट

तारीख पेशी– 19.05.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
अपने पिता/पुत्री मृतक राजेश बहादुर सिंह को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 05 के 19 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (जू0डि0) डुमरियागंज सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 05 के 04 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) डुमरियागंज सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण वाद संख्या 09 / 2026
1– शाह मोहम्मद उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र तैस मोहम्मद ग्राम अलाधरपुर तप्पा भानपुर परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर
–आवेदकगण
बनाम
सरकार इस्टेट

तारीख पेशी– 19.05.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
अपने पिता/पुत्र मृतक तैस मोहम्मद को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 05 के 19 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (जू0डि0) डुमरियागंज सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 05 के 04 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

इश्तहार

अन्तर्गत आदेश 1 नियम 8 (2) ज0वि0
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) जिला– सिद्धार्थनगर
मूलवाद सं0 145 / 2026
परवेज आलम आदि
बनाम
मो0 नसीम आदि

1. मो0 नसीम उम्र लगभग 50 वर्ष 2. मो0 सलीम उम्र लगभग 45 वर्ष 3. मो0 रहीम उम्र लगभग 42 वर्ष 4. मो0 नईम उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्रगण सहावुल निवासीगण मोहल्ला ए.पी. जे. अब्दुल कलाम नगर नगर पालिका सिद्धार्थनगर तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 05–05–2026

सार्वजनिक सम्पत्ति बावत हितबद्ध सभी व्यक्तियों के फायदे हेतु प्रतिनिधित्व क्षमता में वाद प्रस्तुत किया है तथा वाद के प्रस्तुत करने के साथ साथ आदेश 1 नियम 8 सीपीसी के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था जिसे न्यायालय द्वारा दिनांक 13.04.2026 को सुनवाई उपरान्त अनुज्ञा दे दिया गया है। और आवेदक/आवेदकगण को प्रतिनिधित्व क्षमता में वाद प्रस्तुत करने की अनुज्ञा दी जा चुकी है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जा रही है कि उक्त वाद ग्रस्त सम्पत्ति के सन्दर्भ में जो हितबद्ध व्यक्ति पक्षकार मुकदमा बनना चाहते हो वे न्यायालय द्वारा निर्धारित तिथि 05–05–2026 को 10:00 बजे पूर्वान्ह न्यायालय में उपस्थित होकर पक्ष बनने हेतु कार्यवाही कर सकते है। किसी हितबद्ध व्यक्ति के उपसंचार न होने पर उक्त वाद में नियमानुसार अग्रेतर कार्यवाही जारी रहेगी।

आज सन 2026 के माह 05 के दिवस 01 को दिनांकित

द0 हाकिम

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 13–5–2026 को थाना छावनी से मौजूद लावारिश वाहनो की नीलामी श्रीमान उपजिलाधिकारी हर्रैया की अध्यक्षता में नियमानुसार किया जाएगा। इच्छुक व्यक्ति नीलामी लेने हेतु समय 10 बजे AM उपस्थिति होकर नीलामी प्रक्रिया में समलित होना सुनिश्चित करे।

थानाध्यक्ष
थाना छावनी
जिला–बस्ती

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरा क्लाइंट आधार हाऊसिंग फाइनेंस लि० शाखा बस्ती ब्रान्च आफिस प्रथम तल, मकान संख्या–1323, मोहल्ला – पिकौरा शिव गुलाम, कटेश्वर पार्क के पास गाँधीनगर, बस्ती – 272001 उ0प्र0 की तरफ से सूचित किया जाता है कि गुड़िया कुमारी पत्नी मुकेश कुमार गुप्ता, जनता होटल, कम्पनीबाग, अमहुत बस्ती उ०प्र० 272001 ने एक बैनामा 1595 वर्गफीट का स्थित गाटा सं०–276, मौजा महरीखांवा, तप्पा – हवेली परगना – बस्ती पूरब, त0 व जिला बस्ती जिसकी चौहददी – पूरब में मकान कन्हैया लाल श्रीवास्तव, शिव नरायन चौधरी, पश्चिम में जमीन मुकिर, उत्तर–में कच्चा रास्ता 16 फिट चौड़ा, दक्षिण में मकान राजेश सिंह, इसको बंधक रखने बैंक अथवा संस्था को प्रश्नगत सम्पत्ति में आपत्ति हो तो इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर दे, अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि किसी भी को उपरोक्त संस्था को बंधक रखने मे कोई आपत्ति नहीं है।

(प्रग्यांशु शुक्ला एडवोकेट)
L.G.F.–011, निचली भूतल, A1 बिल्डिंग ब्लाक – A, सेक्टर–59, नोएडा, उ0प्र0
पिन कोड – 201301,
मो.नं.– 8920298602

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
उत्तराधिकार प्रकीर्ण वाद सं0 70 / 2026
सनी देवल–सायल
1– सनी देवल उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्र स्व0 राजेश साकिन मंझरिया पोस्ट ठोकवा तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 07–05–2026

दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती तारीख पेशी 07–05–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–1045 / 2023
जनक किशोरी उर्फ झिनकानी आदि
बनाम
ओम प्रकाश सिंह आदि

1. ओम प्रकाश सिंह उम्र करीब 64 वर्ष 2. अशोक कुमार सिंह उम्र करीब 55 वर्ष पुत्रगण भागवत सिंह 3. जय प्रताप सिंह उम्र करीब 38 वर्ष 4. उदय सिंह उम्र करीब 35 वर्ष 5. तेज प्रताप सिंह उम्र करीब 33 वर्ष पुत्रगण ब्रम्हदेव सिंह निवासीगण शिवपुर तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
6. कौशिल्या देवी उम्र करीब 75 वर्ष कथित बेवा आद्या प्रसाद सिंह निवासी शिवपुर तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती
–प्रतिवादिनी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 09–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदे 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–771 / 2025
रामकरन आदि
बनाम
राम सुरेमन आदि

3– साधू पुत्र रामजस मौजा हलवइया चक तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 16–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 04 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चर्तुमुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com